ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐ ओ३म् ॐ ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐ ॐ जय बाबा की ॐ ॐ श्याम बाबा ॐ ॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! ॐ

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवहि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 52 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦29 नवम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

सीएम धामी ने मजदूरों को बाटें चेक

मजदूरों और परिजनों ने की सीएम धामी की तारीफ,एम्स में होगा स्वास्थ्य परीक्षण

चिन्यालीसौड(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ पहुंचकर मजदूरों का हाल जाना। इसके साथ ही सीएम धामी ने उनके परिजनों से भी बातचीत की। सीएम धामी ने मजदूरों को राहत राशि के चेक भी प्रदान किए। इस दौरान मजदूर और उनके परिजन काफी प्रसन्न नजर आये। यहां से मजदूरों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिये ऋषिकेश स्थित एम्स ले जाया जायेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (शेष पेज सात पर)

सीएम के ओएसडी से सम्बंध बताकर लाखों रूपये हड़पे

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। खुद को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के ओएसडी से पारिवारिक सम्बंध बताकर एक व्यक्ति ने काम कराने का झांसा देकर रूद्रपुर निवासी व्यक्ति से 3.50 लाख रुपए हड़प लिए। जिसके बाद पीड़ित ने आरोपी व्यक्ति की कार बहाने से यहां लाकर पुलिस के सुपुर्द कर अपना रुपया वापस दिलाने की गुहार लगाई है। पीड़ित व्यक्ति का कहना है कि उसका नोएडा प्राधिकरण में जमीन के सम्बन्धित काम था। इस सम्बन्ध में वह भाग-दौड़ कर रहा था। इसी दौरान उसके एक परिचित ने उत्तर प्रदेश निवासी एक व्यक्ति से मिलवाया। उसका कहना था कि उसके मुख्यमंत्री के ओएसडी से पारिवारिक संबंध हैं और आपका काम उनके एक फोन से हो जाएगा, लेकिन छोटे-मोटे खर्च करने पड़ेंगे। आरोप है कुछ दिन बाद उन्होंने बुलाया और कहा कि 3.50 लाख रुपए आज ही किसी अधिकारी को देने हैं। इंतजाम करके दो और आपका काम 8-10 दिन में हो जाएगा। जिस पर अगले दिन 2.95 लाख रुपए उनके खाते में डाल दिए। अगले दिन वह 55 हजार रुपए बकाया के मांगने लगे। तब 25 हजार और 30 हजार रूपए दो बार में उनको गूगल पे के माध्यम से डाल दिए। इसी दौरान उस व्यक्ति के एक परिचित ने उसे बताया कि इनकी किसी से कोई पहचान नहीं, ये ऐसे कह कर पैसे ठगते हैं और ये 420 में पौड़ी में जेल काट चुके हैं। पीड़ित का कहना है कि कुछ दिन बाद उस व्यक्ति ने उससे 15 लाख रुपए और मांगे तो उसने देने से मना कर दिया। जब अपने पैसे बापस मांगे तो कहने लगा वो पैसे तो खत्म हो गए। काम करवाना है तो और पैसे दो। जब अपने परिचित से कहा तो उन्होने जिम्मेदारी (शेष पेज सात पर)

कार ने सड़क किनारे खड़े किसान को रौंदा,मौत

गदरपुर(उद संवाददाता)। राष्ट्रीय राजमार्ग 74 बायपास पर अनियंत्रित कार द्वारा सड़क किनारे खड़े किसान को रौदते हुए मौत के घाट उतार दिया पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली और गंभीर रूप से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के परिजनों में सूचना मिलने पर कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चकरपुर,तहसील गदरपुर जिला उधम सिंह नगर उत्तराखंड निवासी कार्तिक कोचर (45 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश सड़क के किनारे अपने खेत में कार्य करने के उपरांत सड़क पार कर निकलने का इंतजार कर रहा था तभी रुद्रपुर से काशीपुर की ओर जा रहे डंफर को पास करने के दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने उसे बुरी तरह कुचल दिया और जंप लेते हुए कार खेत में जाकर पलट गई जिस पर कुछ राहगीरो द्वारा घटना को देखते हुए कार सवारों एवं घायल (शेष पेज सात पर)

अब अमृत अस्पताल में मिलेंगी मैक्स की सेवाएं

किडनी के मरीजों को देखेंगे विशेषज्ञ डॉक्टर

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, वैशाली ने आज शहर के अमृत अस्पताल के साथ साझेदारी में नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट मेडिसिन के लिए अपनी विशेष ओपीडी सेवाओं को शुरू करने की घोषणा की। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, वैशाली के नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट मेडिसिन के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉक्टर मनोज सिंघल ने लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित करते बताया कि इन सेवाओं की शुरुआत के साथ, सभी उम्र और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के मरीजों को अन्य शहरों में नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि उन्हें अपने इलाके में ही क्वालिटी मेडिकल सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि ओपीडी सेवा अमृत अस्पताल रुद्रपुर में शुरू की गई है और हर महीने के तीसरे बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मरीज यहां आकर (शेष पेज सात पर)

उत्तराखण्ड के 'माननीयों' को 'चिट्ठी पढ़ने' तक की 'फुर्सत' नहीं

सूबे के विधायकों के सरकारी आवास के सामने चिट्ठियों के लगे ढेर, चिट्ठियों के बंडल में सरकारी गैर सरकारी दोनों ही पत्र शामिल

-अर्श-

देहरादून। अगर आप उत्तराखंड के किसी विधानसभा क्षेत्र के किसी सुदूर इलाके में रहते हैं और चिट्ठी-पत्री के द्वारा अपने क्षेत्र की समस्याएं क्षेत्रीय विधायक तक पहुंचाकर, समस्याओं के निदान का मुगालता पाले हुए हैं, तो इस मुगालते से तत्काल बाहर निकल आइए ,क्योंकि उत्तराखंड के अधिकांश विधायक अपने आवास पर आने वाले पत्र-पत्रावलियों को पढ़ने और समय रहते पत्र का उत्तर देने अथवा उस पर कोई एक्शन लेने के प्रति कतई गंभीर नहीं है। वह इसलिए क्योंकि माननीयों के राजधानी वाले आवास के पते पर जो भी चिट्ठी पत्री पहुंचती है, वह अरसे तक विधायकों के दरवाजे पर ही लटके पड़े धूल खाती रहती हैं और वहां चिट्ठी- पत्री की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। बताना होगा कि सूबे की राजधानी देहरादून के रेस कोर्स स्थित ट्रांसिट हॉस्टल अर्थात विधायक आवास, जहां उत्तराखंड के तकरीबन सभी विधायकों के लिए आवास आवंटित है, में इन दिनों बड़ा ही अजीब नजारा देखने को मिल रहा है ।ट्रांसिट हॉस्टल स्थित तकरीबन सभी विधायकों के आवास के दरवाजे पर लगे लेटर बॉक्स में और जिस आवास में लेटर बॉक्स की व्यवस्था नहीं है ,वहां पत्र-पत्रावली रखने के लिए नियत स्थान में दर्जनों की संख्या में चिट्ठी-पत्री, सरकारी दस्तावेज, लटके-धूल खाते विधायकों का इंतजार कर रहे हैं। हैरत की बात तो यह है कि विधायक आवास में पहुंचने वाले पत्र पत्रावलियों को विधायकों की अनुपस्थिति में सहेज कर रखने अथवा पत्रों को संबंधित विधायकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के लिए ना तो सरकार द्वारा किसी कर्मचारी की नियुक्ति ही की गई है और ना ही उत्तराखंड के माननीयों ने ही इसकी जरूरत महसूस की है। पत्र-पत्र वालियों के विधायक आवास के सामने लंबे समय से धूल खाते पड़े रहने के पीछे का सामान्य कारण यह बताया जा रहा है कि माननीय अपने निर्वाचन क्षेत्र के भ्रमण पर हैं, जिस कारण उनके नाम से विधायक आवास पर पहुंचे पत्र उनके निवास स्थान के बाहर टंगे हुए दिख रहे हैं। गौरतलब है कि इनमें कई ऐसे पत्र हैं, जिनके फ्रंट पेज पर उत्तराखंड सरकार का लोगो भी है। जबकि बाकी कुछ ऐसे पत्र हैं, जो कि माननीय के क्षेत्र की जनता की ओर से भेजे गए हैं। उक्त पत्र लंबे समय (शेष पेज सात पर)

सिल्क्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन में 17वें दिन मिली सफलता: श्रमिकों ने जीती जिंदगी की जंग

सुरंग से निकलते ही श्रमिकों की आंखों से छलके खुशी के आंसू

सीएम धामी ने फूल माला पहनाकर किया स्वागत,श्रमिकों व उनके परिजनों के चेहरे की खुशी ही मेरे लिये इगास-बगवाल
सिलक्यारा सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को एक एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता ,भव्य मंदिर भी बनाऐगी राज्य सरकार

उत्तरकाशी/देहरादून(उद संवाददाता)। आखिरकार मंगलवार सायं वह शुभ घड़ी आ गई जिसका सभी देशवासियों को बेसब्री से इंतजार था। दीपावली के दिन हुए हादसे के बाद पिछले 17 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद 41 मजदूरों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने वाला ऑपरेशन सिलक्यारा किसी सुरंग या खदान में फंसे मजदूरों को निकालने वाला देश का सबसे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन बना गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सबसे पहले सुरंग से निले श्रमिकों जोरदार स्वागत अभिनंदन किया और बाबा बौखनाग देवता को नमन किया ह। उन्होंने रेस्क्यू आपॅपरेशन की सफलता पर शुभकामनायें देते हुए कहा कि आज हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि सिलक्यारा (उत्तरकाशी) में निर्माणाधीन टनल में फंसे सभी 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया है। सभी श्रमिक भाइयों का अस्थाई मेडिकल कैम्प में प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री रेद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संचालित इस चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन में पूरी ताकत से जुटी केंद्रीय एजेंसियों, सेना, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट्स एवं प्रदेश प्रशासन की टीमों का हृदयतल से आभार। प्रधानमंत्री जी से हम सभी को एक अभिभावक के रूप में मिले मार्गदर्शन एवं कठिन से कठिन स्थिति में उनके द्वारा प्रदान की गई हर संभव सहायता, इस अभियान की सफलता का मुख्य आधार रही। 17 दिनों बाद श्रमिक भाइयों का अपने परिजनों से मिलना अत्यंत ही भावुक कर देने वाला क्षण है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को सरकार एक एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा उनके इलाज और घर जाने तक की पूरी व्यवस्था की जाएगी।सिलक्यारा में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में इलाज पर होने वाला खर्चा सरकार उठाएगी। इसके अलावा परिजनों और श्रमिकों के खाने, रहने की भी व्यवस्था सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा बौखनाग और देवभूमि के देवी-देवताओं की असीम कृपा से ऑपरेशन सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि बौखनाग देवता का सिलक्यारा में भव्य मंदिर बनाया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा बौखनाग के आशीर्वाद से सभी श्रमिक सुरक्षित बाहर निकल आये हैं। ग्रामीणों ने बाबा बौखनाग के मंदिर बनाने की मांग उठाई है। इस मांग को सरकार पूरा करेगी। जल्द ही मंदिर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सिलक्यारा टनल में फंसे सभी 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाले जाने पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर अपनी शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान श्रमिकों के बारे में मुख्यमंत्री से जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री से जाना कि सुरंग से निकालने के बाद श्रमिकों के स्वास्थ्य देखभाल, घर छोड़ने व परिजनों आदि के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जी को अवगत कराया कि सभी श्रमिकों को सुरंग से निकालने के बाद सीधे चिन्यालीसौड़ स्थित अस्पताल ले जाया गया है जहां उनकी जरूरी स्वास्थ्य जांच आदि की जाएंगी। साथ ही मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि श्रमिकों के परिजनों को भी फिलहाल चिन्यालीसौड़ ले जाया गया है जहां से उनकी सुविधा के अनुसार राज्य सरकार उनको घर छोड़ने की पूरी व्यवस्था करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन के चलते ही यह रेस्क्यू अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो सका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तमाम एजेंसियों व राज्य सरकार के समन्वय से हम 41 श्रमिकों को सकुशल निकालने में सफल रहे हैं।

धामी ने बौखनाग बाबा को किया नमन: रेस्क्यू अभियान में जुटे समस्त बचाव दलों को दी शुभकामनाएं

उत्तरकाशी। सिलक्यारा टनल में फंसे सभी 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलने पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अभियान में जुटे समस्त बचाव दल को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि श्रमिकों और उनके परिजनों के चेहरों की खुशी ही मेरे लिए इगास बग्वाल है। बचाव दल की तत्परता, टेक्नोलॉजी के सहयोग, सुरंग के अंदर फंसे श्रमिक बंधुओं की जीवटता, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की जा रही पल-पल की निगरानी और बौखनाग देवता की कृपा से यह अभियान सफल हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए बड़ी खुशी का दिन है। जितनी प्रसन्नता श्रमिक बंधुओं और उनके परिजनों को है, उतनी ही प्रसन्नता आज मुझे भी हो रही है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान से जुड़े एक-एक सदस्य का मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि सही मायनों में हमें आज इगास पर्व की खुशी मिली है। भगवान बौखनाग देवता पर हमें विश्वास था। विश्व स्तरीय टेक्नोलॉजी और विशेषज्ञ इस अभियान में लगे थे। उन्होंने अभियान से जुड़े एक-एक सदस्य के प्रति अपना आभार प्रकट किया।

देवभूमि उत्तराखंड जिंदाबाद, सिलक्यारा जिन्दाबाद : सोशल मीडिया पर भी संवेदनाओं और शुभकामनाओं का दौर जारी

देहरादून। सिल्क्यारा में रेस्क्यू ऑपरेशन सफल होने के बाद सोशल मीडिया पर भी प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं व जनप्रतिनिधियों द्वारा पीड़ित श्रमिकों के प्रति संवेदनायें एवं प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशन में दिन रात जुटे हुए विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों और कर्मचारियों की भी खूब सराहना की जा रही है। पूर्व सीएम एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने सिल्क्यरा रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता मिलने पर शुभकामनायें दी है। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ जी, मां गंगा व यमुना जी की कृपा से सिलक्यारा में जो मजदूर साथी टनल में जीवन के साथ संघर्ष कर रहे थे, वो अब किसी भी क्षण सकुशल बाहर आ सकते हैं। जिन लोगों के अथक प्रयासों, मार्गदर्शन व सहयोग से यह सब संभव हो पाया है, मैं उन सबको बहुत बधाई देता हूं। बाबा बौखनाग जी की कृपा है कि हमारे जो सिलक्यारा जैसे ऊंचे स्थान हैं उनमें विनायक देवता के रूप में इस तरीके के देव मंदिर प्रचलित हैं और यह बाबा बौखनाग जी का आशीर्वाद है कि यह सब सकुशल संपन्न हुआ है। मेरा मन बाबा बौखनाग जिंदाबाद भी कह रहा है और सबसे बड़ा साहस उन श्रमिकों ने दिखाया जिन्होंने एक और जीवन की लड़ाई टनल के अंदर लड़ने का काम किया, उनके अप्रतिम साहस ने मददगार हाथों को शक्ति दी। मगर एक आग्रह मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से करना चाहूंगा कि सिलक्यारा प्रकरण को लेकर पहले शायद इतना औचित्य संगत नहीं होता, मगर अब जब ऑपरेशन सिलक्यारा सफल होने जा रहा है तो एक सर्व पक्षीय शीर्ष बैठक होनी चाहिए, इन सारे प्रकरणों पर विहंगम विवेचन कर सिलक्यारा से आगे कैसे हमको एक राज्य के रूप में कदम उठाने हैं उस विषय में विवेचन करना आवश्यक है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सिल्क्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने पर रेस्क्यू एजेंसियों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के अर्नोल्ड डिक्स ने हम सभी भारतीयों को खुशी से भर दिया।अर्नोल्ड डिक्स ने दिन रात मेहनत की है हमारे इन 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए। अर्नोल्ड डिक्स के इस बेहतरीन प्रयास के लिए हम सभी देशवासी उन्हें सैल्यूट करते हैं। पूर्व राज्यपाल एवं प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष की खबर है कि उत्तरकाशी टनल में फँसे सभी श्रमिक भाइयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इस ऑपरेशन को सफल करने वाले सभी साथियों का हार्दिक अभिनंदन। सभी श्रमिकों की हिम्मत को मेरा वंदन। प्रभु से प्रार्थना है कि आपको पूर्णतः स्वस्थ रहें।

मोदी ने पूछा श्रमिक भाईयों का हालचाल

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सिल्क्यारा सुरंग से 17 दिन बाद निकाले गए मजदूरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह फोन पर बात की। एक बचाए गए शख्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया कि 41 मजदूरों ने सुबह की सैर और योग का अभ्यास करके अपना उत्साह बनाए रखा।वहीं, एक अन्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और बचाव टीमों की सराहना की। उनमें से एक ने कहा कि उन्हें चिंता करने की कोई बात नहीं है, क्योंकि जब सरकार विदेशों में भारतीयों को बचा सकती है, तो हम देश के भीतर ही थे।प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा

जारी बातचीत के एक वीडियो के अनुसार, मोदी ने बचाए गए लोगों से कहा कि 17 दिन का कम समय नहीं है। आप सभी ने बहुत साहस दिखाया और एक-दूसरे को प्रोत्साहित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वह ऑपरेशन के बारे में जानकारी लेते रहते थे और लगातार मुख्यमंत्री के संपर्क में थे। पीएम ने कहा कि मेरे पीएमओ के अधिकारी भी वहां बैठे थे। लेकिन सिर्फ सूचना मिलने से चिंता कम नहीं होती। इस दौरान बिहार के रहने वाले युवा इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के सबा अहमद ने प्रधान मंत्री को बताया कि वो कई दिनों तक सुरंग में फंसे रहे, लेकिन उन्हें कोई डर या घबराहट महसूस नहीं हुई। सबा अहमद ने बताया कि हम भाइयों की तरह थे, हम एक साथ थे। हम रात के खाने के बाद सुरंग में टहलते थे। सबा अहमद ने पीएम को बताया कि जिस सुरंग में वे फंसे थे, उसके दो किमी से अधिक हिस्से में मजदूर सुबह की सैर करते थे और योग भी करते थे। हम उत्तराखंड सरकार, विशेष रूप से सीएम और मंत्री वीके सिंह को धन्यवाद देना चाहते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी से उत्तराखंड के एक फोरमैन गब्बर सिंह नेगी ने बात की। पीएम मोदी ने कहा कि गब्बर सिंह मैं आपको विशेष रूप से बधाई देता हूं। मुझे मुख्यमंत्री धामी रोजाना बताते थे। आप दोनों लोगों ने अच्छी लीडरशिप दिखाई है। इस पर गब्बर सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आप सभी लोगों ने हौसला बढ़ाया। सीएम धामी लगातार हमारे संपर्क में बने रहते थे। इस दौरान गब्बर सिंह ने कहा कि कंपनी ने भी कहीं कोई कसर नहीं छोड़ी।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

पांच वार्डो में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

विधायक तिलक राज बेहड़ व नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन कुमार कोली ने किया लोकार्पण

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर क्षेत्र के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा विभिन्न वार्डों में किए गए 74 लख रुपए के निर्माण कार्यों का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष दर्शन कुमार कोली द्वारा किया गया। सर्वप्रथम आवास विकास स्थित गुरुद्वारे वाली रोड पर नगर पालिका से बनाए गए टाइल्स रोड वआवास विकास में ही गेट नंबर 2 पर बनाई गई भव्य टाइल्स रोड के अलावा वार्ड नंबर 7 में अंबेडकर पार्क के सौंदर्यकरण के साथ ही किच्छा शुगर फैक्ट्री में किसानों के लिए सुलभ शौचालय का निर्माण करने के अलावा गुरुद्वारा सिंह सभा किच्छा में स्थित लंगर हाल में पत्थर बिछाने के कार्य के साथ ही सभी कार्यों का लोकार्पण मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ तथा पालिका अध्यक्ष दर्शन कुमार कोली ने संयुक्त रूप से किया गया। सभी कार्यों का लोकार्पण करने के लिए ब्लाक अध्यक्ष रमेश तिवारी उर्फ गुड्डू द्वारा नारियल फोड़कर श्री गणेश किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि उनकी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत किच्छा नगर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है जिसका की सौंदर्य करण किया जाना नितांत आवश्यक है। नगर पालिका परिषद द्वारा अध्यक्ष दर्शन कुमार कोली के नेतृत्व में विशेष कार्य संपादित किया गया है। दर्शन कुमार कोहली के द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों को सड़क, जन मिलन केंद्र, नाली सहित तमाम विभिन्न प्रकार के निर्माण कराकर सुसज्जित किया गया है, जो कि विशेष प्रशंसा योग्य है। उन्होंने कहा कि विधायक निधि से भी नगर के अंदर बहुत सारे विकास के कार्य प्रस्तावित हैं। जिनको धरातल पर लाना है ।विधायक निधि और नगर पालिका निधि से जब कार्य संपूर्ण हो जाएंगे तो नगर का सौंदर्य देखने योग्य होगा। उन्होंने कहा कि समय की मांग है नगर का विकास किया जाए। पालिका अध्यक्ष दर्शन सिंह कोहली ने कहा कि उनके कार्यकाल में जितने भी विकास के आयाम लिखे गए हैं वह आने वाले दोनों में आम जनता के लिए एक मिसाल बनेंगे उन्होंने कहा कि कुछ कार्यों का काम अभी भी जारी है जिनका की पूर्ण होना अभी शेष है ।उनके कार्यकाल में जितने भी कार्य किए गए हैं उससे आम जनता पूर्ण रूप से लाभान्वित हो रही है ।उन्होंने बताया कि नगर पालिका के विस्तारीकरण के बाद नगर पालिका का बजट उतना प्राप्त नहीं हुआ जितना कि नगर पालिका का क्षेत्रफल बन गया था। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों के बावजूद भी नगर पालिका के सभी वार्डों में विकास के कार्य किए गए उन्होंने क्षेत्रीय विधायक तिलकराज बेहड़ का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ द्वारा विधायक निधि से भी विभिन्न कार्य कराए गए जो की नगर पालिका के द्वारा किए जाने असंभव थे। इस अवसर पर मुख्य रूप से अशोक मित्र ,नितिन शर्मा, अशोक हुड़िया, दिलीप सिंह बिष्ट, ए न्यू खान ,सुनीता कश्यप, जीवन जोशी ,गुलशन सिंधी, गुरुद्वारे के गुरनामसिंह धारीवाल, देवेंद्र विर्क,सुनील ठाकुर, सभासद सिमरनजीत कौर ,डिंपल सिंह, कवलजीत सिंह ,जगरूप सिंह गोल्डी, कमलजीत सिंह ,रणजीत सिंह राणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष, महेंद्र सिंह ,हरभजन सिंह, सरदार त्रिवेंद्र सिंह, दीदार सिंह ,हरजीत सिंह कपूर ,खजांची परविंदर सिंह मौजूद थे वही किच्छा शुगर फैक्ट्री में सुलभ शौचालय की लोकार्पण के अवसर पर सभासद लियाकत अली अंसारी, अधिशाषी निदेशक त्रिलोक सिंह मर्तोलिया,दिलीप सिंह बिष्ट महेंद्र सिंह डिंपल सिंह आदि लोग मौजूद थे। गुरूद्वारा सिंह सभा के लंगर हाल में मार्वल पत्थर के लोकार्पण कार्यक्रम मै जनरल सेक्टरी प्रभु जोत सिंह और स्टेट सेक्टरी निर्मल सिंह हंसपाल की गैर मौजूदगी भी चर्चा का विषय बनी रही।

अज्ञात कार चालक के खिलाफ रपट दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिनों कार की ऑटो से हुई टक्कर के बाद उपचार के दौरान घायल व्यक्ति की मौत हो गई। जिसके परिजनों ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रपट दर्ज करा दी। दर्ज रपट में रईस अहमद पुत्र स्व. मुनब्बर अली निवासी ग्राम टेहरी ख्वाजा थाना खजुरिया रामपुर ने कहा है कि 22 नवम्बर को समय दोपहर उसका भाई तसवीर पुत्र जमील निवासी ग्राम टेहरी ख्वाजा अपनी पत्नी व दो छोटे बच्चों के साथ बिलासपुर से आटो सं0 यूके 06टीए5212 से रूद्रपुर आ रहा था। तभी एक कार संख्या डीएलसीबीएफ 3398 के चालक ने रम्पुरा गेट कबीर द्वार कट पर आटो मैं टक्कर मार दी। जिसमें आटो पलटने से तसवीर व उसके बच्चे व पत्नी घायल हो गये। जिसमें तसवीर गम्भीर रूप से घायल हो गया जिन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल, सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी तथा राममूर्ति अस्पताल भोजीपुरा बरेली ले जाया गया। 25 नवम्बर कों सुबह तसवीर की घर में मृत्यु हो गयी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी के आरोपी की तलाश गुजरात पुलिस पहुंची काशीपुर

काशीपुर। धोखाधड़ी के एक मामले में के आरोपी की तलाश में गुजरात पुलिस काशीपुर पहुंची। जहां कोतवाली में आमद कराने के बाद गुजरात पुलिस स्थानीय पुलिस के साथ आरोपी की तस्दीक में उसके घर भी गई। लेकिन पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी। मंगलवार को गुजरात राज्य की पोरबंदर पुलिस काशीपुर कोतवाली पहुंची। जहां पुलिस ने आमद दर्ज कराते हुए धोखाधड़ी के एक मामले की आरोपी के काशीपुर में होने की जानकारी दी और आरोपी की लोकेशन बांसफोड़ाने क्षेत्र बताई। उसके बाद पोरबंदर पुलिस बांसफोड़ान चौकी पुलिस के साथ क्षेत्र में आरोपी के लोकेशन पर तस्दीक के लिए पहुंची। हालांकि इस दौरान पुलिस को आरोपी हाथ नहीं लगा। बाद में पुलिस वहां से लौट गई।

साइबर ठग ने खाते से लाखों रुपये निकाले

काशीपुर। यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी कर साइबर ठग ने एक व्यक्ति के अलग-अलग खाते से 1,54000 रुपये निकाल लिए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्टेडियम रोड प्रकाश रेजीडेंसी निवासी रचित अग्रवाल पुत्र हरि ओम अग्रवाल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 18 जुलाई 2023 को लगभग दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी कर उसके अलग-अलग बैंक खातों से 1,54000 रुपये निकाले गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिठाई बांट कर खुशी का इजहार

गूलरभोज(उद संवाददाता)। उत्तरांचल दर्पण गूलरभोज कार्यालय पर सामाजिक राजनीतिक व्यापारी संगठन द्वारा सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया रात को 8:15 बजे पहले मजदूर आया तो उसका फूल मालाओं से स्वागत किया गया 17 दिन बाद सुरंग से 41 मजदूरों को निकाल

कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सभी टीमों का धन्यवाद किया गया और मिठाई बाट कर खुशी का इजहार किया गया इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ कुलदीप रघुवंशी भूपेंद्र आर्य संजीव कुमार गुप्ता हरीश छाबड़ा रामकिशन दाहूजा अमित कुमार गुप्ता हरेंद्र चौधरी राजू पासवान छोटे यादव चंद्रपाल रोहित टीटू वीरू राजभर मुकेश दिलशाद हरमन शिवम रघुवंशी आशु रघुवंशी धर्मवीर बनवारी लाल अपार सिंह रमेश कुमार अर्पित अनेजा जीवन गुरु रानी गोविंद राजभर सतीश सीडाना दया किशन देवराडी आदि उपस्थित थे।

अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज

काशीपुर। कांग्रेस प्रदेश सचिव शिवम् शर्मा के आवास पर दीवार फांदकर चोर घुस आए। खटर पटर की आवाज सुनकर परिजन जाग गए। जिस पर चोर भाग खड़े हुए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू की है। गिरीताल रोड बसंत बिहार निवासी कांग्रेस नेता और व्यवसायी शिवम् शर्मा पुत्र स्व-दीपक शर्मा के आवास में रविवार की रात दो से ढाई बजे के बीच कुछ अज्ञात व्यक्तिफ दीवार फांदकर अंदर घुस गये। लाबी में पहुंचकर वह सामान बटोरने लगे। इसी बीच गृहस्वामी शिवम् बाथरूम के लिए उठे तो उन्हें कुछ आवाजें सुनाई दी। शोर सुनकर चोर वहां से भाग निकले। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शिवम् शर्मा की बहन उर्मि शर्मा ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर आईटीआई थाने से पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कांग्रेसी नेता की तहरीर पर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रभात फेरिया के आयोजन पर श्रद्धालुओं का किया धन्यवाद

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री शिव पार्वती मंदिर आवास विकास में पावन कार्तिक माह के उपलक्ष में प्रभात फेरियां निकाली गयी , प्रभात फेरियों में सहयोग करने वाले प्रत्येक धर्म प्रेमी का हार्दिक धन्यवाद करते हुए जिस भी परिवार ने संगत के चरण अपने गृह में डलवाये उन सब का भी हार्दिक आभार जताया गया और कामना की गई,आगे भी ऐसे ही प्रभु चरणों से जुड़े रह कर मंदिर कमेटी का

सहयोग करते रहेंगे . प्रार्थना करते हुए पंडित राजीव गौतम जी का कमेटी द्वारा बहुत बहुत धन्यवाद किया गया,जिन्होंने पूरा कार्तिक माह संगत को प्रभु चरणों से जोड़ा एवं विधि विधान से हवन पूजन करवा कर पूरे माह चले इस यज्ञ का समापन करवाया । इस दौरान शिव पार्वती मंदिर कमेटी अध्यक्ष राकेश भुड्डी बंटी, महामंत्री सतीश छाबड़ा ,कोषाध्यक्ष रमन छाबड़ा आदि ने सभी संगत का धन्यवाद किया ।

चाकू के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर। चोरी की नियत से घूम रहे एक चोर को पुलिस ने गश्त के दौरान गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाकू बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी का आर्म्स एक्ट के तहत चालान किया है। आईटीआई थाने के उपनिरीक्षक गणेश दत्त जोशी हमराही कांस्टेबल नीरज शुक्ला व नवीन रजवार के साथ रात्रि गश्त पर थे। चौती मंदिर के पास दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक पुलिस को देखकर सकपकात गया और तेज कदमों से चलने लगा। शक होने पर पुलिस ने पकड़कर जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक नाजायज चाकू बरामद किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शिवम कुमार पुत्र राम अवतार निवासी जसपुर खुर्द बताया। उसने बताया कि वह चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए चाकू रखता है। पुलिस ने आरोपी का 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत चालान किया है।

डीजीपी अशोक कुमार ने रचे नये कीर्तिमान

सेवा सम्मान कार्यक्रम में कुमाऊं भर के जिलों से पुलिस अधिकारी व विभिन्न गणमान्य लोगों ने किया प्रतिभाग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा द्वारा पुलिस परिवार की ओर से उत्तराखंड पुलिस परिवार के मुखिया अशोक कुमार, डीजीपी के सम्मान में शहर के एक स्कूल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुमाऊं भर के जिलों से पुलिस अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, व्यापार मंडल के प्रतिनिधि, नैनीताल पुलिस परिवार के कर्मी, स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल, स्कूल प्रशासन, केमिस्ट एसोसिएशन, पब्लिक स्कूल एसोसिएशन, ट्रांसपोर्ट यूनियन, आईएमए डॉक्टर एसोसिएशन, गुरु सिंह सभा, पुलिस पेंशनर बोर्ड, प्रांतीय उद्योग पदाधिकारियों ने भाग लिया। सभी के द्वारा पुलिस महानिदेशक के सम्मान में अपने अपने वक्तव्य कहे गए। इस माह डीजीपी अशोक कुमार अपनी सराहनीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि पुलिस विभाग को गति देकर अनेकों नए आयाम और कीर्तिमान रचने वाले आईपीएस अधिकारी द्वारा अपने कार्यकाल में उठाए गए कदम जनता के लिए एक मित्र पुलिस की परिभाषा को सार्थक करते हैं और अधीनस्थ अधिकारी/कर्मियों के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने अपनी सेवा काल में अनेकों महत्वपूर्ण अभियान चलाए हैं। जो देश में उत्तराखंड पुलिस की मानवीय छवि को स्थापित करने तथा अपराधों पर अंकुश लगाने में एक मील का पत्थर साबित हुए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रजवल्लन के साथ की गई। उसके पश्चात डीजीपी अशोक कुमार की जीवनी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों और पुलिस के अधिकारियों ने डीजीपी के सराहनीय सेवा और यादगार पलों के संदर्भ में अपने अपने वक्तव्य दिए और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के दौरान डीजीपी अशोक कुमार द्वारा कार्यक्रम में आए सभी दर्शकों और गणमान्य व्यक्तियों/पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका अपने कार्यकाल के दौरान यह उद्देश्य रहा है कि जनता के मन से पुलिस का भय दूर हो, अपने उद्देश्य को हासिल करने में मैं काफी हद तक सफल हुआ हूं। जिसका जिक्र उन्होंने अपनी पुस्तक 'खाकी में इंसान' में भी किया है। अपनी सेवा के दौरान हमेशा यह प्रयास किया है कि जनता के साथ मिलकर पुलिसिंग की जाय। पुलिसिंग को स्मार्ट और संवेदनशील बनाने के भरसक प्रयास किए हैं। जो कि अपराधियों के लिए सख्त और पीड़ितों के लिए संवेदनशील बन पाए। अपने कार्यकाल में उन्होंने एक ओर ऑपरेशन मर्यादा और ऑपरेशन प्रहार चलाया जिसमे पुलिस ने 2 हजार से भी ज्यादा अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा। चाहे भू माफिया हो, नकल माफिया हो, धोखाधड़ी करने वाले हों, या लुटेरे हों सभी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की गई। दूसरी ओर पुलिस को संवेदनशील बनाकर ऑपरेशन स्माइल और ऑपरेशन मुक्ति अभियान चलाए गए जो गुमशुदाओं के पुनर्वास और बच्चों को भिक्षावृत्ति से निकालकर शिक्षा के मार्ग पर लेकर आए। कार्यक्रम का संचालन डॉ जगदीश चंद्र, एसपी क्राइम/ट्रैफिक एवम् प्रोफेसर सेन गुप्ता, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल ने किया। अंत में कार्यक्रम के समापन में एसएसपीने कहा कि डीजीपी द्वारा उत्तराखंड प्रदेश की जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं और अधीनस्थ पुलिस बल के मनोबल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई है। जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के सार्थक प्रयास किए हैं। उनकी सेवा प्रत्येक अधिकारी/कर्मी के लिए अनुशरणीय और प्रेरणादायक है। इसके उपरांत डीजीपी द्वारा सर्किट हाउस काठगोदाम में पुलिस के अधिकारियों के साथ वार्ता की गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा डीजीपी को मोमेंटो भेंट किया गया और स्वस्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

श्रमिकों के सुरंग से बाहर आने पर मिष्ठान वितरित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक भारत भूषण चुघ के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला प्रभारी पुष्कर सिंह काला के साथ उत्तरकाशी के सिलक्यारा में पिछले 17 दिनों से टनल में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर आने पर हर्ष व्यक्त करते हुए मिष्ठान वितरित किया। श्री चुघ ने इस ऐतिहासिक कार्य की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी व केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह के साथ साथ शासन प्रशासन एनडीआरएफ एसडीआरएफ के प्रयासों की सराहना करते हुए बधाई दी। श्री चुघ ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां, अधिकारी और कर्मचारियों ने जी-तोड़ मेहनत और जज्बे से इस मिशन को मुकाम तक पहुंचाया है। केंद्र और राज्य सरकार की तमाम टीमें पूरे 17 दिन तक पूरी तन्मयता और मनोयोग से रेस्क्यू में जुटी रहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी निरंतर स्थलीय निरीक्षण करने साथ ही रेस्क्यू टीमों की हौसला अफजाई करते रहे। रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ,आरवीएनएल, एसजेवीएनएल,ओएनजीसी, आईटीबीपी, एनएचएआईडीसीएल, टीएचडीसी, उत्तराखंड शासन, जिला प्रशासन, थल सेना, वायुसेना समेत तमाम संगठनोंने अहम भूमिका निभाई। हर्ष व्यक्त करने वालों में अनिल चौहान, राकेश सिंह, धर्मसिंह कोली,मनदीप वर्मा, भीमसेन गुप्ता, प्रिया पाण्डेय,धीरज सुखीजा अमलेश कोली, मोहित राठौर, सोनू कोली, राहुल कुमार, मुकेश कोली व दीपक राणा आदि शामिल थे। साथ ही इस कार्य में सहयोग देने वाले सभी लोगों को बधाई दी। इस दौरान अनिल चौहान, राकेश सिंह, धर्मसिंह कोली, मनदीप वर्मा, भीमसेन गुप्ता, प्रिया पाण्डेय, धीरज सुखीजा अमलेश कोली, मोहित राठौर, सोनू कोली, राहुल कुमार, मुकेश कोली व दीपक राणा आदि शामिल थे।

व्यवसाइयों ने डीजीपी को किया सम्मानित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। आईपीएस डीजीपी अशोक कुमार के विदाई समारोह पर फेयरवेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तरांचल औषधि व्यवसाय महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बीएस मनकोटी के नेतृत्व में हल्द्वानी केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारीयों द्वारा डीजीपी अशोक कुमार को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान अध्यक्ष गोपाल सिंह अधिकारी, महामंत्री संदीप जोशी, मीडिया प्रभारी हिमांशु वार्ष्णेय, पूर्व अध्यक्ष उमेश जोशी, नरेंद्र साहनी थे मौजूद रहे। वहीं प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडलउत्तराखंड के प्रदेशाध्यक्ष नवीन वर्मा के नेतृत्व में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा डीजीपी का सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष विपिन गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि अपने कार्यकाल में डीजीपी द्वारा कई सराहनीय कार्य किये। पुलिस और आम जन के बीच संवाद कार्यक्रम कार्यकाल की विशेष उपलब्धि में गिना जाता है।उन्होंने संगठन की ओर से डीजीपी के निरोगी जीवन के साथ दीर्घायु की कामना की। संगठन द्वारा एक सम्मानपत्र से डीजीपी अशोक कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला महामंत्री हर्ष वर्द्धन पांडे, महिला महामंत्री उर्वशी बोरा, विनीता शर्मा, रेनू टंडन, सुरभि मेहरोत्रा, युवा नगर अध्यक्ष पवन वर्मा, साहिल चौहान, युवा जिला महामंत्री मधुकर बनोला, मोहन बोरा, ट्रांसपोर्ट नगर एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष अमरजीत सिंह, महामंत्री प्रदीप सब्बरवाल, संरक्षक इंद्र कुमार भुटियानी, हाजी जी सहित व्यापारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत नरायणपुर कोठा में लोगों को दी योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी

रूद्रपुर। विकासखण्ड रूद्रपुर की ग्राम पंचायत नरायणपुर कोठा में लाभार्थीपरक योजनाओं के संतृप्तीकरण हेतु लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुँचाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत समिति द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 123 अधिकारीगण / व्यक्तियों /लाभार्थियों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ दिलायी गयी। उक्त आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यान विभाग, गन्ना विकास विभाग, नलकूप विभाग, खाद्य विभाग, पेयजल विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, बाल विकास विभाग, विभागों द्वारा स्टॉल लगाई गयी। उक्तानुसार आयोजित कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों द्वारा उपस्थित लाभार्थियों को आईईसी प्रचार वाहन की एलईडी के माध्यम से विभागीय अधिकारियों द्वारा समस्त विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे-आत्मा योजना, के.सी.सी. और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्राकृतिक कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पी.एम.के.एस.वाई. योजना, पी.एम. उज्जवला योजना इत्यादि योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया एवं मौके पर लाभार्थियों को सम्बन्धित विभागों द्वारा राजसहायता पर निवेशों / सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत नरायणपुर कोठा में 05 लाभार्थियों द्वारा योजना से मिले लाभ से मेरी कहानी मेरी जुबानी का अनुभव सांझा किया गया ताकि अन्य ग्रामीण प्रेरित हो सकें। कार्यक्रम के दौरान ड्रोन द्वारा मटर के खेत में दवाई का छिड़काव का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में इच्छुक लाभार्थियों के उज्जवला योजना के कार्ड भी बनाये गये। कार्यक्रम के दौरान हेल्थ कैम्प में लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। कार्यक्रम में जनपदस्तरीय नोडल अधिकारी श्री संजय कुमार छिम्वाल, सहायक निदेशक डेयरी, ग्राम प्रधान एवं अन्य जनप्रतिनिधि इत्यादि उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत कनकपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया

रूद्रपुर। विकासखण्ड रूद्रपुर की ग्राम पंचायत कनकपुर में लाभार्थीपरक योजनाओं के संतृप्तीकरण हेतु लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुँचाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत समिति द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 113 अधिकारीगण / व्यक्तियों / लाभार्थियों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम के दौरान 60 पुरुष एवं 53 महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यान विभाग, गन्ना विकास विभाग, नलकूप विभाग, खाद्य विभाग, पेयजल विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, बाल विकास विभाग, विभागों द्वारा स्टॉल लगाई गयी। उक्तानुसार आयोजित कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों द्वारा उपस्थित लाभार्थियों को आईईसी प्रचार वाहन की स्क्र के माध्यम से विभागीय अधिकारियों द्वारा समस्त विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे-आत्मा योजना, के.सी.सी. और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्राकृतिक कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पी.एम.के.एस.वाई. योजना, पी.एम. उज्जवला योजना इत्यादि योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया एवं मौके पर लाभार्थियों को सम्बन्धित विभागों द्वारा राजसहायता पर निवेशों / सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत कनकपुर में 05 लाभार्थियों द्वारा योजना से मिले लाभ से मेरी कहानी मेरी जुबानी का अनुभव सांझा किया गया ताकि अन्य ग्रामीण प्रेरित हो सकें। कार्यक्रम के दौरान ड्रोन द्वारा मटर के खेत में दवाई का छिड़काव का प्रदर्शन भी किया गया।कार्यक्रम में इच्छुक लाभार्थियों के उज्जवला योजना के कार्ड भी बनाये गये। कार्यक्रम के दौरान हेल्थ कैम्प में लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। कार्यक्रम में जनपदस्तरीय नोडल अधिकारी श्री संजय कुमार छिम्वाल, सहायक निदेशक डेयरी, ग्राम प्रधान एवं अन्य जनप्रतिनिधि इत्यादि उपस्थित रहे।

टनकपुर का सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से हुआ सम्पन्न

विवाह समारोह में आना मेरा सौभाग्य: गीता धामी

सीएम धामी की पत्नी गीता धामी ने विवाहित जोडों को दिया आशीर्वाद,बोलीं आपसे किसी जन्म का रहा होगा रिश्ता

टनकपुर। आप लोग जरूरतमंद नहीं हो सकते क्योंकि आपके पास भगवान की दी हुई वह धरोहर है जो बहुत कम लोगों को नसीब होती है इसलिए हम नहीं मानते कि आप जरूरतमंद है यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी ने टनकपुर में आयोजित हुए सामूहिक विवाह समारोह में कहीं टनकपुर के उत्सव गार्डन में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया विवाह समारोह में नव दंपति को आशीर्वाद देने पहुंची मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी ने अपने संबोधन से लोगों के दिलों को छू लिया। उन्होंने वर वधु को अपना आशीर्वाद एवं

शुभकामनायें देने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी ने वधू पक्ष के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां पर मौजूद हम सब लोगों का आपसे किसी न किसी जन्म का रिश्ता रहा होगा तभी तो हम सब लोगों को यहां आने का मौका मिला। गीता धामी ने कहा कि आप लोग जरूरतमंद नहीं हो सकते आपके पास ईश्वर की दी हुई वह धरोहर है जो कम लोगों को नसीब होती है। उन्होंने नव दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वह उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं साथ ही विश्वास दिलाती हैं कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों के चलते यह सामूहिक विवाह समारोह आगे भी आयोजित किया जाएगा। यहां बता दें कि टनकपुर के उत्सव गार्डन में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया था बुधवार की दोपहर गांधी मैदान से सामूहिक विवाह के लिए गांधी मैदान से बारात निकली टनकपुर शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए बारात उत्सव गार्डन पहुंची बारात में गाजे बाजे के साथ बारातियों ने जमकर नृत्य किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रतिनिधियों को भी बैंड बाजे की धुन पर थिरकते देखा गया।

बेहद दुख भरी कहानी है आयुषी की

टनकपुर। अनाथालय में पाली बड़ी आयुषी की कहानी बेहद दुख भरी है बताया जाता है कि आयुषी के पिता बचपन में ही गुजर गए थे सौतेले पिता के साथ आयुषी नहीं रह सकती थी लिया जा आयुषी का लालन-पालन ग्राम बबनपुरी के स्ट्रांग फॉर्म के अनाथालय में हुआ स्ट्रांग फॉर्म एक ऑस्ट्रेलिया सोसाइटी है जो अनाथ बच्चों की देखभाल करती है आयुषी के बारे में जानकारी मिली है कि इसमें इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण कर रखी है बबन पुरी की ग्राम प्रधान भावना नेगी के माध्यम से टनकपुर के उत्सव गार्डन में सामूहिक विवाह में पहुंची आयुषी का विवाह टनकपुर के ही शिवम भारद्वाज के साथ हुआ शिवम को पकड़ आयुषी बेहद खुश नजर आई आयुषी का कहना था कि यह एक अच्छी पहल है मुझे जैसे दुखी और जरूरतमंद लोगों को इस प्रकार के कार्यक्रमों से सहारा मिलता है आयुषी ने कहा कि वह शिवम को पाकर बेहद खुश हैं ऐसा प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक प्रयासों के चलते हुआ है।

सीएम धामी को धन्यवाद

टनकपुर। हिंदू और रीति रिवाज के साथ संपन्न हुए सामूहिक विवाह के बाद नव दंपतियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सराहना की नव दंपति शिवम व आयुषी ने कहा कि यह सरकार की ओर से अच्छी पहल है राज और गंगा ने धामी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से जरूरतमंद लोगों को मदद मिलती है आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहे मुकेश व शोभा ने गीता धामी की प्रशंसा करते हुए कहा कि गीता धामी को हम जैसे निर्धन लोगों की सदा से चिंता रहती है हरीश और पूजा ने भी आयोजक कमेटी का धन्यवाद अदा करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह समारोह पहली बार टनकपुर में संपन्न हुआ है।

गुरुद्वारा गोल मार्केट व बिंदु खेड़ा में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

रूद्रपुर। श्री गुरूनानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा गोल मार्केट व बिंदु खेड़ा गुरुद्वारा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में प्रबंध क कमेटी की ओर से पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल को सरोपा भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में पहुंचे व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा समाजसेवी जसविंदर सिंह खरबंदा समाजसेवी सौरभ राज बेहड़ को भी सरोपा भेंट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने सभी को प्रकाश पर्व की बधाई दी और क्षेत्र में अमन और खुशहाली की कामना

की। पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि श्री गुरूनानक देव जी ने दुनिया को मानवता और सच्चाई के रास्ते पर चलने की सीख दी। उन्होंने समाज को नई दिशा देने का काम किया। उनके आदर्शों पर चलकर हजारों लोगों ने अपने जीवन को धन्य बनाया। श्री गुरूनानक देव जी ने समाज को कुरीतियों से मुक्ति दिलाने के लिए हजारों किलोमीटर यात्रा कर लोगों को नेकी के रास्ते पर चलने का संदेश दिया। गुरूनानक देव जी की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता पर पीएम मोदी व मुख्यमंत्री का जताया आभार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने उत्तरकाशी टनल हादसे में फंसे हुए सभी 41 मजदूर भाइयों के सुरक्षित बाहर निकलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है तथा इस रेस्क्यू अभियान में जुटी केंद्र व राज्य की सभी एजेंसियों को सफल रेस्क्यू की बधाई दी है। श्री भट्ट ने कहा कि उत्तरकाशी टनल हादसे में फंसे मजदूर को 17 दिन बाद एक कठिन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकल गया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार पल-पल की मॉनीटरिंग कर रहे थे। मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी अपनी रेस्क्यू टीमों की सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए उत्तरकाशी में ही लगातार कैंप कर रहे थे। श्री भट्ट ने कहा कि सीएम धामी के हौसला अफजाई व रेस्क्यू टीम के साथ लगातार खड़े रहने वह हर टेक्निकल इक्विपमेंट को रेस्क्यू अभियान तक पहुंचाने की व्यवस्था में जुड़े थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सिलक्यारा सुरंग का सबक

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने में आखिरकार कामयाबी मिल ही गई। सत्रह दिनों से इकतालीस मजदूर उसमें फंसे थे। शुरू में लगा था कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है और जल्दी उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। मगर जब राहत और बचाव का काम शुरू हुआ तब अंदाजा हुआ कि यह आसान काम नहीं है।सुरंग में गिरे मलबे को हटाने में हर कदम पर परेशानियां खड़ी होने लगीं। आखिरकार सुरंग के अगल-बगल से खुदाई की कोशिश हुई। उसमें भी कामयाबी नहीं मिल पाई। यहां तक कि खुदाई के लिए जो अत्याधुनिक और शक्तिशाली आगर मशीन लगाई गई, वह भी टूट गई और उसके पुर्जे उसमें फंस गए। तब ऊपर से सीधी खुदाई करके श्रमिकों तक पहुंचने का रास्ता बनाया गया।उसमें भी आखिरी छोर तक पहुंच कर परेशानियां खड़ी हो गई। आखिरकार हाथ से खुदाई करके रास्ता तैयार किया गया। उसमें एक चौड़ी पाइप डाली गई और उसके रास्ते ट्राली की मदद से उन्हें बाहर निकालने का उपाय किया गया। स्वाभाविक ही इस घटना पर पूरे देश की नजरें लगी रहीं और श्रमिकों के परिजनों और आम लोगों को इतने दिनों तक तरह-तरह की आशंकाएं घेरे रहीं। मगर अच्छी बात है कि राहत और बचाव में जुटे विशेषज्ञों ने हिम्मत नहीं हारी और सदा उम्मीद से भरे रहे। सिलक्यारा सुरंग के धंसने की यह घटना निश्चित रूप से सुरंग बनाने के काम में लगे विशेषज्ञों और कंपनियों के लिए एक सबक है। मगर इस पूरे घटनाक्रम में अच्छी बात यह रही कि राहत और बचाव के काम में किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरती गई। अड़चनें पेश आती रहीं, पर हर मुश्किल से पार पाने के उपाय तलाशे जाते रहे। दूसरे देशों के सुरंग विशेषज्ञों से भी सलाह लेने में देर नहीं की गई। रेलवे से लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन तक जितने भी इस तरह के बचाव कार्य में विशेषज्ञता वाले विभाग हो सकते थे, सबकी मदद ली गई। केंद्र और राज्य सरकार लगातार इस पर नजर बनाए रहीं तथा बचाव कार्य में लगे लोगों का हौसला बढ़ाती रहीं। मगर इसमें सबसे सकारात्मक बात यह रही कि सुरंग में फंसे श्रमिकों ने हिम्मत नहीं हारी और वे उस अंधेरी तंग सुरंग में जीवन की उम्मीद से भरे अपने बाहर निकाले जाने का इंतजार करते रहे। कई दिन बाद जब उन तक कैमरा पहुंचाया जा सका और उन सभी मजदूरों के सुरक्षित होने की सूचना मिली तो बचाव दल का उत्साह और बढ़ गया। इस पूरे राहत और बचाव कार्य में जितनी बड़ी कामयाबी विशेषज्ञों की रही उससे बड़ी कामयाबी श्रमिकों के हौसले की थी। इतने दिन किस तरह के भय और आशंकाओं के बीच उन्होंने सुरंग में अपने को जिंदा रखा, यह बड़े जीवट का उदाहरण है। इस विषम परिस्थिति में भी वे जीवन से निराश नहीं हुए। यों भी पहाड़ों पर ठंड रहती है, फिर दिवाली के बाद लगातार ठंड बढ़ती गई, उसमें उन्होंने किस तरह इतने दिन बिताए होंगे, सोच कर सिहरन होती है। निस्संदेह यह श्रमिकों के हौसले की जीत है। मगर इस घटना के बाद जो एक बड़ा प्रश्नचिह्न विकास परियोजनाओं के सामने लग गया है, उस पर संजीदगी से सोचने का भी यह एक बड़ा मौका है। निश्चित रूप से सिलक्यारा सुरंग बनाने वाली कंपनी को इस तरह के काम का लंबा अनुभव है, मगर श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर जरूरी उपाय जुटाने के मामले में उससे गंभीर लापरवाही हुई, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

ऑपरेशन में अनहोनी होती तो सरकार के समक्ष खड़ा हो जाता चुनौतियों का पहाड़

उत्तराखंड में यातायात को सुगम बनाने के लिए बनाई जा रही है कई टनल

देहरादून। उत्तरकाशी के सिलक्यारा तक टनल में फंसे 41 मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद अब सुरंग निर्माण को लेकर भी नीति नियंताओं की कार्यवाही सवालों के घेरे में आ गयी है। ऑपरेशन सिलक्यारा के तहत जब आखिरी मजदूर ने टनल से बाहर आकर खुली हवा में सांस ली तो देश और दुनिया में बदलते उत्तराखंड का संदेश भी गया। मजदूरों के टनल में फंसने के बाद पैने और धारदार सवालों की कोई कम बौछार नहीं हो रही थी। कोई अनहोनी होती तो केंद्र और राज्य सरकार के सामने सड़क से अदालत तक न जाने की कितनी ही चुनौतियां खड़ी हो सकती थीं। शायद अब इसके आसार कम होंगे, लेकिन यह सच्चाई है कि यह पूरा घटनाक्रम प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील उत्तराखंड को कई सबक सिखा गया। इस हादसे के बाद उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में सुरंग निर्माण के नीति-नियोजन को सुरक्षा के लिहाज से बिल्कुल अलग ढंग से देखा जाना तय है। खुद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि देशभर में पौने तीन लाख करोड़ की राशि सुरंगों के निर्माण पर खर्च होनी है। उत्तराखंड में यातायात को सुगम बनाने के लिए कई टनल बनाई जानी है। यह प्रयोग लंबे समय से यहां हो रहा है। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ मार्ग पर और डाटकाली के पास की टनल पुराने उदाहरण हैं। राज्य के गढ़वाल और कुमाऊं के पर्वतीय क्षेत्रों में रेल और सड़क कनेक्टिविटी के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं में कई सुरंगों का प्रावधान किया गया है। मसूरी में और दून से टिहरी के बीच टनल बनाने की योजनाओं पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। इस ऑपरेशन ने भविष्य की इन सभी योजनाओं को अंधेरे से निकाला है। 2013 की आपदा से उबरने और सुरक्षित देवभूमि का विश्वास जगाने के बाद उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने की योजना पर सरकार आगे बढ़ रही है। उत्तराखंड का दशक बनाने का पीएम मोदी के सपने को साकार करने के लिए सीएम धामी देश और दुनिया के निवेशकों को उत्तराखंड लाने के प्रयास कर रहे हैं। वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पूर्व अधिक से अधिक निवेशकों को आकर्षित करने के ये प्रयास सिलक्यारा हादसे से ठिठक गए, मगर जानकार मान रहे हैं कि ऑपरेशन की कामयाबी ने उत्तराखंड के प्रति विश्वास जगाने का भी काम किया है। पहले जोशीमठ फिर मानसून का कहर और उसके बाद सिलक्यारा। हिमालय की नाजुक पहाड़ में बसे उत्तराखंड में आपदाओं का यह सिलसिला शायद ही कभी रुकेगा। सिलक्यारा हादसा आपदाओं के लिए संवेदनशील उत्तराखंड राज्य को सबक भी सिखा गया कि वह आपदा में केंद्रीय एजेंसियों का बार-बार मुंह नहीं ताक सकता। उसको खुद अपने बूते पर पुख्ता तैयारियां करनी होंगी। ऑपरेशन की कामयाबी के लिए उत्तराखंड सरकार ने बेशक सहयोगी की भूमिका में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी, लेकिन जानकारों का मानना है कि सरकार को इससे अधिक तैयारी करनी होगी। आपदाएं हर बार सिलक्यारा हादसे जैसा समय नहीं देंगी, इसलिए आपदा प्रबंधन से जुड़े उपकरणों, दक्ष मानव संसाधनों, तकनीकी विशेषज्ञों को तैयार करने के लिए खुद के बूते तैयारी करनी होगी।

श्रमिकों के सुरक्षित निकलने पर किया हनुमान चालीसा का पाठ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिल्कयारा टनल में फंसे 41 कर्मचारियों के सुरक्षित निकालने पर दक्षिण मंडल के नेतृत्व में प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर आज श्री नीलकंठ धाम शैलजा कॉलोनी में प्रदेश मंत्री विकास शर्मा के नेतृत्व में हनुमान चालीसा पाठ किया गया। साथ ही श्री बालाजी जी, श्री भैरव बाबा जी, श्री प्रेतराज सरकार जी, श्री हरि विष्णु की आरती करके देवी देवताओं का आभार व्यक्त किया गया। प्रदेश मंत्री विकास शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार विज्ञान और आस्था का मिलन हुआ है उसी का परिणाम है कि 41 मजदूर सकुशल बाहर आ गए हैं। फंसे हुए मजदूरों की जानकारी लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लेते रहे और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार वहां पर रहकर इस अभियान को सफल बनाने में लग रहे। राज्य और केंद्र सरकार ने मिलकर जिस प्रकार से अभियान को सफल बनाया सराहनीय है। उन्होंने इस अभियान में लगे हुए सभी प्रशासनिक अधिकारियों इंजीनियरिंग मजदूर को बधाई दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दक्षिण मंडल के अध्यक्ष धर्म सिंह कोली ने सीएम धामी को बधाई देते हुए ईश्वर का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष उत्तम दत्ता, मधु राय, मोहन राय, मंडल महामंत्री सुनील ठुकराल, जिला मंत्री हरजीत राठी, महिला मोर्चा की जिला महामंत्री स्वाति तिवारी, नगर उपाध्यक्ष संजय हालदार, सुभाष यादव, सुब्रत अधिकारी, जितेंद्र संधू, आशीष यादव, गुरमुख सिंह, वीरू कोली, अजय पाल, मुकेश शर्मा ,मदन शर्मा, मनोज छाबड़ा ,देवभूमि व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सचिन छाबड़ा, शंकर विश्वास, सतपाल गंगवार, गोविंद शर्मा आदि थे।

भाजपाईयों ने मिष्ठान वितरित कर जताया आभार

गदरपुर। उत्तरकाशी के एक टनल में फसे मजदूरों के सकुशल बाहर आने के उपलक्ष्य में भाजपाइयों ने मिष्ठान वितरित कर खुशी का इजहार किया। बुधवार को श्री सनातन धर्म मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष सुरेश खुराना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उत्तरकाशी टनल में फंसे हुए 41 मजदूरों के निकलने पर मंदिर में अरदास एबं प्रसाद वितरण कर खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए काशीपुर जिले के जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने ईश्वर का आभार जताने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों की सराहना की। आपको बताते चलें कि पिछले करीब 17 दिनों से उत्तरकाशी की एक टनल में मलवा आ जाने के कारण 41 मजदूर फस गए थे। जिन्हें सकुशल बाहर निकालने के लिए पास करने के लिए अत्याधुनिक मशीनों के अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित प्रशासनिक अमला रात दिन जुटा हुआ था। कार्यक्रम में भाजपा के मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना, मंडी समिति के अध्यक्ष सुभाष गुंबर, चीनी मिल के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुंबर, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया, पंकज सेतिया, अशोक छाबड़ा, प्रमोद बजाज, सतीश छाबड़ा, जोगेंद्र वीर, शिवम त्रिपाठी, निर्मल नारंग, सूरज गुप्ता, हरीश रल्हन, हैप्पी चंद्रा, अभिषेक वर्मा, जसवीर चीमा, मयंक चुग, विजय अनेजा, निपुन गगनेजा, कुलवीरी चौधरी, पूनम ग्रोवर, राजबाला चौहान, लक्ष्मी चौहान, अनिता शाह सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरंग के अंदर सुबह शाम टहलते थे मजदूर, परिजनों से पूछते थे हालचाल

उत्तरकाशी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुरंग के भीतर बीते 16 दिन से फंसे मजदूरों को बाहरी दुनिया की मुश्किलों की जानकारी नहीं दी गई थी। उनका हर वक्त हौसला बढ़ाया जाता रहा, जिससे वह परेशानी महसूस न करें। वह मोबाइल पर गाने सुनते थे। बीएसएनएल के लैंडलाइन फोन से परिजनों से बातचीत भी कर पा रहे थे। परिजनों और भीतर फंसे मजदूरों के बीच संवाद कायम रखने के लिए उन्हें कुछ औपचारिकताएं पूरी करके अंदर जाने की आजादी दी गई थी। परिजन सुरंग के भीतर जाकर अंदर फंसे अपने लोगों से बातचीत कर पा रहे थे। सबा अहमद के भाई नैयर अहमद ने बताया कि वह जब भी बात करते थे तो उसे समझाते थे कि सबकुछ ठीक चल रहा है। फोन की मदद से सबा की पत्नी व तीन बच्चों के हालचाल भी उसे लगातार बता रहे थे। डॉक्टर की टीम सुबह और शाम दो चरणों में पांच घंटे मजदूरों से बातचीत कर रही थी। डॉ. प्रेम पोखरियाल का कहना है कि वह हर मजदूर की स्वास्थ्य संबंधी समस्या सुनते थे। उसी हिसाब से दवाई भीतर भेज रहे थे। उन्होंने बताया कि मजदूरों को भीतर लगातार ओआरएस का घोल पीने की सलाह दी जा रही थी। उन्हें समय से नाश्ता, लंच, डीनर भी भेजा जा रहा था। उन्होंने बताया कि मजदूरों को पहले एनर्जी ड्रिंक भेजी गई थी, लेकिन फिर पूरा भोजन दिया गया। मजदूर खुद को स्वस्थ रखने के लिए भीतर ही योगा कर रहे थे। सुरंग के भीतर सुबह-शाम टहल रहे थे। मजदूरों के लिए सोने की परेशानी हो सकती थी, लेकिन सौभाग्य से भीतर जियो टेक्सटाइल शीट थी, जो मजदूरों के सोने के काम आई। उन्हें वीडियो गेम खेलने के लिए मोबाइल भेजे गए थे।

एसटीएफ ने खालिस्तानी आतंकी अर्शडाला के गुर्गे को हरिद्वार से किया गिरफ्तार

देहरादून। एसटीएफ ने खालिस्तानी आतंकी अर्शप्रीत उर्फ अर्शडाला के हरिद्वार निवासी साथी सुशील कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने ही गांव के व्यक्ति को अर्शडाला से धमकी दिलाई और फिर रंगदारी मांगी। एसटीएफ ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ मिलकर कार्रवाई की है। अर्शडाला सुखविंदर उर्फ सुक्खी का करीबी है। सुक्खी की कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ दिन पहले ही अर्शडाला के चार शूटर को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी सुशील अर्शडाला की गैंग को हथियार भी सप्लाई करता था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। एसटीएफ एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि टिकौला (मंगलौर क्षेत्र) निवासी कविंद्र प्रमुख ने मंगलौर कोतवाली में रंगदारी का मुकदमा दर्ज कराया था। कविंद्र का कहना था कि उनके गांव के रहने वाले सुशील ने उसकी बात सिग्नल एप के माध्यम से अर्शडाला नाम के व्यक्ति से कराई थी। अर्शडाला ने उन्हें धमकी दी और रंगदारी सुशील को देने के लिए कहा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और मामले की जांच शुरू की। इस बीच एसटीएफ ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि अर्शप्रीत उर्फ अर्शडाला मूल रूप से पंजाब के मोगा जिले का रहने वाला है। उसे पिछले साल सितंबर में आतंकी घोषित किया गया था। वह सुखविंदर गिल उर्फ सुक्खी दुने का करीबी है। सक्खी की पिछले दिनों अज्ञात बंदूधारियों ने कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी थी। हालांकि, इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस विश्नोई ने ली थी। अब सुशील के बारे में पता चला कि वह अर्शडाला की गैंग को हथियार सप्लाई करता है। एसटीएफ को जानकारी मिली कि पिछले दिनों दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अर्शडाला के चार शूटर को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर ही सुशील को उसके गांव टिकौला से गिरफ्तार किया गया। आरोपी से इस गैंग के बारे में और भी जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि, फिलहाल उसे न्यायालय के आदेश से जेल भेज दिया गया है। अर्शडाला गैंग का मुख्य शूटर राजप्रीत उर्फ राजा बम है। उसने पिछले साल पंजाब में एक व्यक्ति की हत्या की थी। इसके बाद सुशील ने राजा बम को अपने घर पनाह दी थी। वह उसके घर जनवरी 2023 से जुलाई 2023 तक रहा था। राजा बम ने ही अर्शडाला से सुशील की जान पहचान कराई थी। तब से दोनों सिग्नल एप के माध्यम से संपर्क में रहते हैं। अर्शडाला टार्गेट किलिंग को अंजाम देता है। इसके साथ ही वह खालिस्तानी आर्तकियों को सीमापार से फंडिंग भी कराता है। अर्शडाला को शक था कि सुक्खी की हत्या कराने में लॉरेंस विश्नोई की मदद पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के सेलिब्रिटी एली मंगत ने की थी। ऐसे में वह एली मंगत को अपने शूटर राजा बम से मरवाना चाहता है। दिल्ली पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

सुरंग में बीते 400 घंटे: जब सब हुए हताश तो आस्था ने जगाई आस

पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जनरल वीके सिंह ने बारी-बारी से हौसला बढ़ाकर रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल बनाया

उत्तरकाशी। ऑपरेशन टनल की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण मंत्र धैर्य ही था। दीपावली के दिन जहां देश में लोगों के घर रोशनी से जगमगा रहे थे, वहीं अचानक 41 परिवारों के आगे अंधेरा छा जाने की खबरें सामने आई थी। 17 दिनों में न तो सिलक्यारा की सुरंग फंसे 41 मजदूरों ने धैर्य छोड़ा और न ही उन्हें बाहर निकालने वालों ने। इस ऑपरेशन को कई बार हताशा, निराशा ने आकर घेरा इसके बावजूद बाहर से अंदर और अंदर से बाहर के लोगों को धैर्य का छोटा सा सुराख रोशन रखे रहा। श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए जिस ऑगर मशीन से शुरुआत की गई आखिर में उसी राह से उन्हें बाहर निकाला गया। पूरे ऑपरेशन में ऑगर कई बार रुकी, सुरंग में कंपन हुआ, सुरंग में उलझ गए मशीन के कई पार्ट काटकर निकालने पड़े, लेकिन विशेषज्ञ डटे रहे और धैर्य बनाए रखा। कुछ दिनों की मशक्कत के बाद उन्हें उम्मीद हो गई थी कि सबसे सुरक्षित राह यही है। वर्टिकल ड्रिलिंग और टनल के दूसरे छोर को भी खोलने की कवायद शुरू हुई। जब ऑगर ने पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया तो इसे उन रैट माइनर्स का साहस और धैर्य ही माना जाएगा जिनके हाथों ने उसी पाइप में दिन रात मैनुअल ड्रिलिंग कर 41 परिवारों में उजियारा फैला दिया। आपको बता दें कि काम करते-करते दिवाली के दिन अचानक सुरंग में मलबा गिरने से 41 मजदूर अंदर ही फंस गए। उन्होंने अपने जीवन के नौ दिन का गुजारा केवल ड्राई फ्रूट्स और चने खाकर अंदर बह रहे स्रोत के पानी से किया। उनके पास सोने को बिस्तर था न शौचालय की सुविधा। ऑपरेशन सिलक्यारा में सभी मजदूरों की जिंदादिली एक नजीर बन गई। 12 नवंबर की सुबह करीब 5:30 बजे जिस वक्त सुरंग में हादसा हुआ तो मजदूरों की आवाज सुनने के लिए केवल चार इंच का एक पाइप ही माध्यम बचा। पहले सबसे बात हुई तो पता चला कि सभी बच गए, लेकिन फंस गए। इसके बाद उन्हें भूख लगने लगी, लेकिन कोई ऐसा माध्यम नहीं था, जिससे उन्हें भोजन भेजा जा सके। 20 नवंबर तक उन्हें केवल जरूरी दवाएं, चने और ड्राई फ्रूट ही इस चार इंच के पाइप से प्रेशर के माध्यम से भेजे जाते रहे। सभी मजदूर इससे किसी तरह अपनी भूख शांत कर जिंदादिली से उन पलों का इंतजार करते रहे, जब उन्हें बचाकर बाहर निकाला जाएगा। कई मजदूरों को पेट दर्द की शिकायत भी हुई। बावजूद इसके उन्होंने हौसला नहीं हारा। 20 नवंबर को जैसे ही छह इंच के पाइप को भीतर तक पहुंचाने में कामयाबी मिली तो मजदूरों को भी कुछ राहत मिलनी शुरू हो गई। उन्हें खिचड़ी, केले, संतरे, दाल-चावल, रोटी के अलावा ब्रश, टूथपेस्ट, दवाएं, जरूरी कपड़े आदि भेजे गए। टनल के भीतर इन 13 दिन में उनकी दिनचर्या तो कुछ बनी, लेकिन बाहर आने की व्याकुलता बरकरार रही। डॉक्टर, मनोचिकित्सक उनका हौसला बढ़ाते रहे। आखिरकार इसी जीवंतता के दम पर वह मजदूर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल हो पाए। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने भी तालमेल के साथ धैर्य का परिचय दिया। पूरी दुनिया की नजरें 17 दिनों से उत्तराखंड के उत्तरकाशी के सिलक्यारा पर टिकी थीं। मजदूरों को बाहर निकालने के कई प्लान बने और जब-जब फेल हुए तो सरकार असहज जरूर दिखी, लेकिन कहीं न कहीं धैर्य बनाए रखा। प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जनरल वीके सिंह बारी-बारी न सिर्फ हौसला बढ़ाकर ऑपरेशन को सुगठित करते दिखे बल्कि उनके बयानों ने लगातार अंदर मजदूरों और बाहर परिवार के लोगों को धैर्य बनाए रखने में मदद की। वहीं विपक्ष के तमाम आरोपों के बीच भी सरकार ने धैर्य बनाए रखा और विकल्प तलाशती रही। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में करीब 400 घंटे तक फंसे रहे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने में बमुश्किल एक घंटे का समय लगा। 17 दिन तक बचाव अभियान उम्मीद और नाउम्मीदी के बीच झूलता रहा। मंगलवार को जब केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री वीके सिंह सिलक्यारा पहुंचे और मुख्यमंत्री भी सिलक्यारा लौटे तो संकेत साफ हो गए कि आज मजदूरों के अंधेरी सुरंग से बाहर निकलने का समय आ गया है। शाम होते ही खबर आ गई। 12 नवंबर को दिवाली के दिन 4 मजदूर सुरंग में फंसे थे और 17वें दिन बाहर निकले। ऑपरेशन सिलक्यारा के दौरान कुछ ऐसे अवसर भी आए जब मंजिल के करीब पहुंचने से पहले आई अड़चन के कारण ऐसा लगा कि सारे प्रयास निरर्थक हो गए हैं। ऐसे वक्त में देवभूमि के प्रति आस्था ने आस जगाने का काम किया। भगवान बौखनाग देवता का मंदिर स्थापित करने से लेकर सुरंग के द्वार पर बनी भोलेनाथ की आकृति भी अभियान में जुटे लोगों के लिए आस्था की वजह बनीं। इस आस्था के भरोसे सुरंग निर्माण के विशेषज्ञ आस्ट्रेलियन अर्नोल्ड डिक्स भी सिर झुकाते नजर आए। मुख्यमंत्री से लेकर बचाव अभियान में शामिल अधिकारी, विशेषज्ञ, विज्ञानी, तकनीशियन और मजदूर निराशा के समय इसी आस्था से आस जगाते नजर आए।

सिलक्यारा सुरंग हादसे से सबक लेने की जरूरत : अर्नोल्ड डिक्स

उत्तरकाशी। ऑपरेशन सिलक्यारा की सफलता के बाद केंद्र और राज्य सरकार ने राहत की सांस ली है। लेकिन सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन तक फंसी 41 जिंदगियों को बचाने का यह अभियान दोनों सरकारों को सबक भी सिखा गया है। विशेष रूप से आपदाओं का अक्सर सामना करने वाले उत्तराखंड राज्य के लिए यह घटना कायदे से सबक सीखने वाली है। इस घटना ने बताया कि हमें भी सुरंगों के निर्माण के विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स और माइनर सुरंग एक्सपर्ट क्रिस कूपर सरीखे विशेषज्ञ तैयार करने होंगे। उत्तराखंड सरकार देश का पहला आपदा प्रबंधन मंत्रालय खोलने का श्रेय तो लेती है, लेकिन कई वर्ष बाद भी विशेषज्ञता, तकनीक और दक्ष मानव संसाधन के मामले में उतनी प्रगति नहीं हो पाई है। इस हादसे ने राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग की तैयारियों की कलई भी खोली है। हादसे के बाद आपदा प्रबंधन विभाग इस पूरे अभियान में एक सहयोगी की भूमिका से आगे नहीं बढ़ पाया। केंद्र और उसकी एजेंसियों को ही मोर्चा संभालना पड़ा। नया राज्य होने के कारण अभी उत्तराखंड में हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का निर्माण होना हैं। इनमें कई रोपवे, सुरंगों का निर्माण प्रस्तावित हैं। ऐसे में सिलक्यारा सरीखी घटनाओं का खतरा हमेशा बना रहेगा। लेकिन क्या उन घटनाओं से निपटने के लिए उत्तराखंड सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग उस हद तक तैयार है। जानकारों का मानना है कि सिलक्यारा सुरंग हादसे से सबक लेते हुए उत्तराखंड सीखने और सिखाने का ऐसा वातावरण तैयार कर सकता है कि राज्य में ही अर्नाल्ड डिक्स और क्रिस कूपर सरीखे विशेषज्ञ उपलब्ध हों। अर्नोल्ड डिक्स आस्ट्रेलियन हैं। उन्हें भूमिगत सुरंगों और परिवहन बुनियादी ढांचे का विशेषज्ञ माना जाता है। भूमिगत काम करने में क्या दिक्कतें आ सकती हैं, खतरे क्या हैं, उनसे कैसे बचा जाए, ये सारी सलाह अर्नोल्ड डिक्स प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को देते हैं। वह पूरी दुनिया में भूमिगत सुरंग बनाने के विशेषज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। केंद्र सरकार के अनुरोध पर उन्हें ऑपरेशन सिलक्यारा के लिए विशेष रूप से बुलाया गया।

भाई के ससुरालियों पर लगाया हत्या का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ससुराल में फांसी लगने से एक युवक की हुई मौत के मामले में मृतक के भाई ने कोर्ट के आदेश पर उसके ससुरालियों पर भाई की हत्या कर देने का आरोप लगाते हुए रपट दर्ज कराई है। दर्ज रपट में हरि गिरी पुत्र बुद्धि गिरी, निवासी ग्राम रेहड़िया थाना बजीरगंज तहसील बिसौली जिला बदायूं ने ममता पत्नी मुनेन्द्र गिरी पुत्री प्रीतम पुरी, प्रमोद पुरी पुत्र पुत्र प्रीतम पुरी, विनोद गिरी पुत्र श्रीराम गिरी निवासीगण वार्ड 16. हरिनगर कालोनी, रुद्रपुर, नीरज कुमार पुत्र बहरो प्रसाद निवासी 16. शांति कालोनी, रूद्रपुर के विरूद्ध आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके छोटे भाई मुनेन्द्र गिरी का विवाह ममता पुत्री प्रीतमपुरी से हुआ था। ममता व उसके परिवारवालों द्वारा शादी के कुछ समय बाद से इस बात का दबाव बनाया गया था कि यदि मुनेन्द्र को ममता से रिश्ता रखना है तो ममता के साथ ममता के मायके में ही रहना होगा। लोक लाज व घर गृहस्थी को बनाये रखने के कारण भाई ममता की बात को स्वीकार करता रहा। वह अपनी मां व बहन के साथ इस बात की चर्चा करता था कि उसे ममता से अपनी जान का खतरा है, क्योंकि ममता का चाल चलन भी सही नहीं है और विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकियां अथवा अंजाम भुगतने की धमकियां देती थी। 23.9.2023 को सुबह उसके बहनोई दीपक गिरी को ममता के भाई प्रमोद ने फोन पर सूचना दी कि मुनेन्द्र ने फांसी लगा ली है व उसकी मृत्यु हो गई है। जब तक रूद्रपुर पहुंचा ससुरालवालों द्वारा मिलीभगत करके तथा तथ्यों को छिपाकर संस्कार करवा दिया गया। हिमगिरी ने आशंका जताई है कि उसके भाई की पत्नी ममता, उसका भाई प्रमोद तथा मृतक के साढू नीरज व विनोद द्वारा षडयंत्र के तहत उसके भाई को नशीला पदार्थ खिलाकर व बेहोश करके फांसी पर लटकाकर जान से मार दिया गया है। मामले की पुलिस से शिकायत की गई लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चिकित्सकों व स्टाफ पर मारपीट का आरोप

काशीपुर। परिजनों ने एक अस्पताल के चिकित्सकों व स्टाफ पर मारपीट का आरोप लगाया है। साथ ही मारपीट के दौरान गोद में मौजूद तीन दिन के नवजात की मृत्यु होने का आरोप भी परिजनों ने अस्पताल कर्मियों पर लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को मेडिकल कराया। उधर पुलिस नवजात का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी भी कर रही है। जानकारी के अनुसार चौती चौराहा स्थित विध्यावासिनी कॉलोनी निवासी बॉबी ठाकुर ने अपनी पत्नी पिंकी के डिलीवरी के लिए उसे बाजपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पिंकी को तीन दिन पूर्व ऑपरेशन के माध्यम से एक नवजात को जन्म दिया। मंगलवार को नवजात का वजन कम होने पर परिजन उसे मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में दिखाने के लिए ले गए। वहां मौजूद चिकित्सक ने देखने के बाद उसकी धड़कन बताते हुए वहां से ले जाने को कहा। जिस पर परिजनों ने मशीन में रखने और अस्पताल में ही इलाज करने की इच्छा बताई। चिकित्सक ने मना कर दिया, तो बॉबी के भाई शिवम ठाकुर ने अपने पिता प्रमोद ठाकुर को फोन कर स्थिति से अवगत कराया। परिजनों को आरोप है कि फोन करने से वहां मौजूद चिकित्सक भड़क गया और गाली गलौच व अभद्रता करने लगा। जिसका विरोध करने पर चिकित्सक व स्टाफ ने शिवम, उनकी मां ममता और मौसी मंजू को बुरी तरह मारना पीटना शुरू कर दिया और मारपीट कर अस्पताल से बाहर निकाल दिया। इस बीच उनका सामान व नवजात के कपड़े भी अस्पताल में छूट गए। वही परिजनों का आरोप है कि अस्पताल कर्मियों ने बॉबी के साथ धक्का मुक्की की और धक्का मुक्की में बॉबी की गोद में मौजूद नवजात की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सरकारी अस्पताल ले जाकर मेडिकल कराया। साथ ही नवजात के शव को पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू कर दी। एसएसआई प्रदीप मिश्रा ने कहा कि अस्पताल में एक नवजात के परिजनों से मारपीट करने और नवजता की मौत का मामला संज्ञान में आया है। पुलिस जांच कर रही है।

पेज एक का शेष...

धामी ने मजदूरों को ...चिन्यालीसौड़ पहुंचकर मजदूरों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें एक-एक लाख के राहत राशि के चेक प्रदान किए। इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि एम्स ऋषिकेश में मजदूरों को एम्स ले जाकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण होगा। रेस्क्यू किए गए सभी 41 मजदूर और उनके परिवार सीएम से बेहद ही खुश नजर आए। मजदूरों ने सीएम धामी का धन्यवाद किया। इसके साथ ही मजदूरों ने पीएम मोदी से बात करते हुए भी सीएम धामी की सराहना की थी। मजदूरों ने कहा कि सीएम धामी उनके साथ हर वक्त खड़े रहे।

अब अमृत अस्पताल में ...डॉक्टरों से परामर्श ले सकेंगे। किडनी से जुड़ी किसी भी तरह की परेशानी या फॉलो अप के लिए रेगुलर अपॉइंटमेंट बुक कर पाएंगे। डॉक्टर सिंघल ने कहा, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल करने के अलावा, अपनी डाइट में नमक का सेवन कम करने से इन बीमारियों से दूर रखा जा सकता है और गुर्दे की क्षति को रोका जा सकता है. प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने के बजाय, ताजे फल और सब्जियां खानी चाहिए जो शरीर को अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रखते हैं। एक स्वस्थ तरल पदार्थ का सेवन करते रहने से गुर्दे को डिटॉक्सीकरण प्रक्रिया में मदद मिलती है, नहीं तो फिर गुर्दे की बीमारियां होने का खतरा रहता है। धूम्रपान बंद करना किडनी समस्याएं रोकने में काफी महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि किडनी फेल्योर या क्रोनिक किडनी रोग एक बढ़ती रहने वाली बीमारी है जो तब होती है जब किडनी रक्त प्रवाह से अपशिष्ट और विषाक्त पदार्थों को फिल्टर करने में कमजोर पड़ जाता है। लेकिन समय पर रोग की पहचान और प्रारंभिक उपचार के साथ, रोग की प्रगति को धीमा किया जा सकता है। शराब का नियमित सेवन, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, गंभीर डिहाइड्रेशन, असंतुलित डाइट और दर्द निवारक दवाओं का ज्यादा सेवन करने से किडनी की बीमारी होने का रिस्क रहता है। वार्ता के दौरान अमृत अस्पताल के प्रमुख चिकित्सक डा. रणजीत सिंह गिल, डा. अमृत पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड के माननीयों ... से टंगे प्रतीत होते हैं। कईयों पर धूल जमी हुई है,तो कई आड़े-तिरछे टंगे हुए नजर आ रहे हैं। हो सकता है कि माननीय अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के सिलसिले में सचमुच ही क्षेत्र भ्रमण पर हों। लेकिन अच्छा होता ? जो अगर उक्त पत्र पत्रावलियां समय रहते माननीयों तक पहुंच जाते। हो सकता है कि पत्र-पत्रावलियों के समय से विधायकों के हाथ पड़ जाने पर किसी जन समस्या का कोई हल निकल आता अथवा जनहित संबंधी कोई सरकारी कार्य समय रहते गति पकड़ लेता। यद्यपि देखा जाए तो पत्र-पत्रावलियों के विधायक आवास के सामने लंबे समय तक टांगे रहने के पीछे दिया जाने वाला, विधायकों के क्षेत्र भ्रमण वाला तर्क, पूरी तरह निराधार नहीं मालूम होता, क्योंकि जिन विधायकों के आवास के बाहर ये सरकारी दस्तावेज, विधानसभा क्षेत्र से आई चिट्ठियां नजर आ रहे हैं,उनमें अधिकतर विधायक वे हैं,जिनके विधानसभा क्षेत्र देहरादून से काफी दूर हैं। शायद इसीलिए उनका इस संबंध में तर्क रहता है कि वे अधिकतर समय क्षेत्र दौरे पर रहते हैं और विधायक आवास पर उनका कोई भी स्टॉफ नहीं रहता है। इस कारण चिट्ठी-पत्र उनके आवास के बाहर रख दिए जाते है। यहां पर यह बताना आवश्यक है कि स्थानीय विधायकों या फिर दून के आसपास के विधानसभा क्षेत्रों के विधायक आवास के बाहर ऐसा नजारा आमतौर पर नजर नहीं आता है। कारण कि, उनका अपने आवास पर जाना-जाना लगा रहता है। उनकी उपस्थिति में उनका स्टाफ उनके क्षेत्रों या फिर सरकारी दस्तावेजों को विधायक तक पहुंचा देते हैं।

कार ने सड़क किनारे...कार्तिक को बचाने के लिए दौड़ लगा दी । पुलिस और लोगों द्वारा कार के शीशे और दरवाजे तोड़कर कर में बैठे लोगों को बाहर निकाला जिनमे दो पुरुष और दो महिलाओं के अलावा एक मासूम बच्चा भी था जो कि मामूली रूप से घायल हुए हैं । वहीं घायल कार्तिक को पुलिस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा ।मृतक कार्तिक अपने पीछे अपनी पत्नी,एक लड़का और तीन लड़कियों को रोता बिलखता छोड़ गया है ।

सीएम के ओएसडी...लेने से मना कर दिया। उसका कहना था कि उसने भी उससे 22 लाख रुपए लेने हैं तुम अपने पैसे अपने तरीके से निकाल लो। पीड़ित का कहना है कि वह 28 नवंबर को उत्तर प्रदेश निवासी व्यक्ति की किसी बहाने से गाड़ी संख्या एचआर 26 सीई 7900 ले आया। वह गाड़ी पुलिस के सुपुर्द कर रहा है। साथ ही पुलिस से अनुरोध किया कि उसके दिए 3.50 लाख रुपए वापस दिलाने की कृपा करें।

बस पलटने से दो दर्जन यात्री घायल

काशीपुर। काशीपुर मुरादाबाद हाईवे पर विपरीत दिशा से आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में प्राइवेट बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में दो दर्जन यात्री घायल हो गए, जिन्हें इलाज के बाद घर भेज दिया गया। मुरादाबाद से चलकर ठाकुरद्वारा पहुंची प्राइवेट बस सोमवार की रात लगभग 10 बजे ठाकुरद्वारा तिकुनिया बस स्टैंड से काशीपुर के लिए रवाना हुई। सिद्धार्थ पेपर मिल के सामने विपरीत दिशा से आ रहे चौपाइयां वाहन की तेज लाइट की चकाचौंध लगने पर बस का चालक रतुपुरा निवासी चंद्रपाल स्टेयरिंग पर नियंत्रण खो बैठा। जिससे बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। दुर्घटना से बस के यात्रियों में चीख पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। सूर्या पुलिस चौकी की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। यात्रियों को शीशे तोड़कर बाहर निकल गया। उन्हें प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया जहां इलाज के बाद उन्हें घरों को भेज दिया गया। दुर्घटना में मुरादाबाद निवासी नेहा 18 पुत्री मोहित, मोहित 40 पुत्र राजेश, काशीपुर निवासी मोहसिना 22 पुत्री असलम, रामनगर निवासी बाबू 36 आदि दो दर्जन यात्री घायल हो गए।

एसडीएम कार्यालय से मोटरसाइकिल चोरी

काशीपुर। अज्ञात चोरों ने एसडीएम कार्यालय के सामने खड़ी एक और मोटरसाइकिल पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर शक्ति चौराहा महुआ खेड़ा गंज निवासी अतिकुर रहमान पुत्र मोहम्मद नबी ने बताया कि बीते 23 नवंबर कोएचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल संख्या यूके 18 सी/4054 यूपी जिला अधिकारी कार्यालय के सामने ताला बंद कर खड़ी की थी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रुद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG
गुरू माँ
Galaxy Tab S9 Series
samsung.com
Own now at ₹ 60999*
Up to ₹ 12000 HDFC Bank Cashback
Samsung upgrade bonus of ₹ 3000*
No cost EMI Up to 24 months#*
HDFC BANK
Secured by Knox
Galaxy Z Flip5
Own now at ₹ 3379/month*
Galaxy Z Fold5
Own now at ₹ 5237/month*
Galaxy S23 FE
Own at ₹ 67 per day*
SAMSUNG SMART PLAZA
Guru Maa Enterprises
No D1 & D2, opposite Guru Maa Dental Clinic, Civil Lines, Rudrapur, Uttarakhand 263153 Contact: 070390 02656
Cheema Chauraha, Ramnagar Rd, opp. HDFC Bank, Kashipur, Uttarakhand 244713 Contact: 070390 02648
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
EASY EMI OPTION AVAILABLE
सेल्स एवं सर्विस हेतु कॉल करें - 8791989500, 9927882338 उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन